BPSC-102

कला स्नातक
राजनीति विज्ञान (आनर्स/मेज़र/बहु–विषयक) कार्यक्रमों हेतु
(BAPSH/BAFPS/BAM)

सत्रीय कार्य 2024–25

BPSC-102: भारत में संवैधानिक सरकार और लोकतंत्र

राजनीति विज्ञान संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

BPSC-102: भारत में संवैधानिक सरकार और लोकतंत्र

शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य

प्रिय छात्र,

इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता हैः i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक।

आपको 6 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 3 अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करने होंगे, जिनके कुल 100 अंक हैं, तथा मूल्यांकन में 30 प्रतिशत वेटेज है। इस सत्रीय कार्य की पुस्तिका में **BPSC-102: भारत में संवैधानिक सरकार और लोकतंत्र** नामक कोर पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य सम्मिलित है जो कि **कला स्नातक राजनीति विज्ञान (आनर्स/मेज़र/बहु–विषयक) (BAPSH/BAFPS/BAM)** कार्यक्रमों हेतु 6 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है।

सत्रीय कार्य-I में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ/जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्य श्रेणी के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आपको सर्वप्रथम तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा, जिसके उपरान्त प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त तरीके से लिखने होंगे। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य-III में संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न हैं। यह प्रश्न व्यक्तियों, लेखन, घटनाओं तथा अवधारणाओं एवं प्रक्रियाओं की स्पष्ट समझ के बारे में प्रासंगिक/सटीक जानकारी को संक्षेप में याद रखने के कौशल को उत्तम बनाने के लिए है।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम दर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द–सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके कौशल में सुधार होगा; तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

जमा करनाः जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में उल्लेख किया गया है आप सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के योग्य होने के लिए सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत जमा करने होंगें। पूरे किए गए सत्रीय कार्य निम्नलिखित समय सारणी के अनुसार जमा करें :

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई, 2024 के लिए	30 अप्रैल, 2025	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।
जनवरी, 2025 के लिए	31 अक्टूबर, 2025	

जमा कराये गये सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र/क्षेत्रीय केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें, तथा उसे संभाल कर रखिये। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें।

मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केन्द्र/क्षेत्रीय केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केन्द्र को सत्रीय कार्य के अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली को भेजने होते हैं।

शुभकामनााओं के साथ,

राजनीति विज्ञान संकाय

BPSC-102: भारत में संवैधानिक सरकार और लोकतंत्र

शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः **BPSC-102**
सत्रीय कार्य कोड : **BPSC-102/ASST/TMA/2024-25**
अधिकतम अंकः **100**

यह सत्रीय कार्य तीन भागों में विभाजित हैं। आपको तीनों भागों के सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

सत्रीय कार्य – I

निम्न वर्णनात्मक श्रेणी प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

1) भारतीय संविधान में उल्लेखित आपातकालीन प्रावधानों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

2) भारतीय संविधान को साकार रूप देने वाले दार्शनिक आधारों की चर्चा कीजिए।

सत्रीय कार्य – II

निम्न मध्यम श्रेणी प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

1) संसदीय समितियों के कार्य क्या हैं?

2) न्यायिक समीक्षा के दायरे और महत्त्व को रेखांकित कीजिए।

3) भारत के राष्ट्रपति के चुनाव की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए।

सत्रीय कार्य – III

निम्न लघु श्रेणी प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का है।

1) राज्यसभा की विशिष्ट शक्तियों का वर्णन कीजिए।

2) पूर्वोत्तर भारत के पहाड़ी क्षेत्रों के लिए निर्धारित विशेष प्रावधानों की व्याख्या कीजिए।

3) ग्राम पंचायत की संरचना और भूमिका की व्याख्या कीजिए।

4) छठी अनुसूची में समाहित प्रावधानों का वर्णन कीजिए।

5) मौलिक अधिकारों और राज्य के नीति निर्देशक तत्वों की तुलना कीजिए।